छत्तीसगढ़ मुक्ति मोर्चा

पोस्ट - दल्ली-राजहरा,
जिला - दुर्ग ‖मध्य प्रदेश‖
....
एम. आई. जी. - II/273,
हुडको, भिलाई, ‖मध्य प्रदेश‖

प्रिय अडवाणी जी,

हमें विश्वास है कि आप मध्य प्रदेश के छत्तीसगढ़ क्षेत्र में पिछले एकवर्ष से चल रहे आन्दोलन से अवगत होंगे । इस समय इलाके की आम जनता का ध्यान प्रमुख रूप से दो मुद्दों पर केन्द्रित है -

1. पिछले वर्ष से जारी मजदूर आन्दोलन के बारे में सुलह करने की कोई कोशिश न करना ।

2. छत्तीसगढ़ के व्यापक इलाकों में हैजा व आंत्रशोथ महामारी व उससे अस्वाभाविक जन-हानि ।

मजदूर आन्दोलन : भिलाई, राजनांदगांव, रायपुर के औद्योगिक क्षेत्र में उद्योगपतियों ने कभी भी मजदूरों को ट्रेड-यूनियन का अधिकार नहीं दिया था । पिछले 20 वर्षों से ये उद्योग चल रहे हैं - उद्योगपतियों की उल्लेखनीय तरक्की हुई है लेकिन मजदूर "दिए तले अंधेरा" की स्थिति में बदहाली का जीवन बिता रहे हैं ।

मजदूरों की सेवाशर्त न होना, 15-20 वर्षों से कार्यरत मजदूर आज भी अस्थाई तौर पर काम कर रहे हैं ।‖ 95 प्रतिशत मजदूर अस्थाई हैं‖ दूसरे उद्योग के मजदूरों की तुलना में, जहाँ अच्छा ‖जीने के लायक‖ वेतन मिलता है, यहाँ एक चौथाई वेतन भी ‖600-700 रुपये‖ बमुश्किल मिलता है, जिससे उन्हें अपना परिवार चलाना मुश्किल है ।

मजदूरों की इन समस्याओं के बारे में सिर्फ मजदूर ही चिन्तित नहीं हैं बल्कि एक वर्ष से जारी इस आन्दोलन को लाखों जनता का प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष समर्थन व सहानुभूति प्राप्त है ।

मैंने इन मुद्दों पर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री पटवा से दो बार बातचीत की । मगर उनके नकारात्मक रवैए से हजारों मजदूर व्यथित हुए हैं ।

श्री पटवा के निर्देश पर श्रम-विभाग निष्क्रिय बैठा है और राज्य सरकार उद्योगपतियों को राजनैतिक संरक्षण दे रही है । परिणाम-स्वरूप श्रम-विभाग ने आज तक एक बार भी सुलह-वार्ता नहीं कराया ।

दूसरी ओर श्री पटवा जी के विशेष निर्देश से पुलिस विभाग पूर्ण रूप से सक्रिय है, पुलिस ज्यादतियों की खबरों से दैनिक अखबारों के पन्ने भरे हुए हैं इतना ही नहीं, उद्योगपतियों की प्राइवेट सेनाएं पुलिस संरक्षण में मजदूरों पर प्राणघातक हमले करते जा रहे हैं ।

इस हालत में आज हजारों मजदूरों के सामने एक अनिश्चित जीवन की स्थिति बनी हुई है । आशा है कि आप मध्य प्रदेश सरकार को निर्देशित कर मजदूर विरोध रवैया त्याग, मजदूरों की बुनियादी समस्याओं का हल करवाकर सरकार के औचित्य को प्रतिष्ठित करेंगे ।

धन्यवाद,

(शंकर गुहा नियोगी)
संगठन मंत्री
छ.ग.मु.मो.

(जनकलाल ठाकुर)
अध्यक्ष,
छ.ग.मु.मो.

दिनांक : 12 सितम्बर, 1991